रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

मानव कल्याण की हो विज्ञान की भूमिका – कुलपति प्रो. मिश्र

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर सप्ताहव्यापी 'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते' कार्यक्रम का समापन, सप्तदिवसीय विभिन्न विज्ञान प्रतियोगिताओं के विजेता हुए पुरस्कृत

जबलपुर 28 फरवरी। विज्ञान की भूमिका मानव कल्याण की है, परन्तु विज्ञान के प्रयोग में यदि संवेदना शामिल न हो तो इसकी भूमिका नकारात्मक भी प्रकाश में आती है। भारत ज्ञान–विज्ञान की भूमि रही है, प्राचीन काल में ऋषि मुनि शास्त्र के साथ विज्ञान के भी जानकार थे। वैज्ञानिक शोध मनुष्य के कल्याण के लिए होना चाहिए। विकास और विज्ञान के माध्यम से एक समन्वय स्थापित किया जाना चाहिए यदि हम विकास के लिए प्रकृति से कुछ लेते हैं तो उसे हमें कई गुणा करके लौटाना भी चाहिए। ये विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने सोमवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में सप्ताहव्यापी 'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते' के समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष में सप्ताहव्यापी 'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते' उत्सव का आयोजन राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया किया गया। मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं विज्ञान भारती महाकौशल विज्ञान परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में सात दिवसीय वृहत विज्ञान कार्यक्रमों की श्रृंखल का आयोजन माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के मार्गदर्शन एवं मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, भोपाल के महानिदेशक प्रो. अनिल कोठारी के निर्देशन में किया गया।

नई दिल्ली से ऑनलाईन राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम–

रादुविवि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में सोमवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित 'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते' का समापन राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम को ऑनलाईन के माध्यम से एलईडी स्क्रीन पर देखा गया। 'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते' आयोजन देश के 75 स्थानों में 22 फरवरी से शुरू हुआ था। इस मौके पर स्थानीय आयोजन समिति समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह, म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के डॉ. एन.के. शिवहरे, डॉ. एस.एन. रजक, डॉ. निपुण सिलावट, प्रो. सुनीता शर्मा आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

कृषक वैज्ञानिक चौपाल में हुई सार्थक चर्चा–

आयोजन के अंतिम दिवस दोपहर में 'प्राकृतिक खेतीरू महत्व, समस्याएं एवं समाधान' विषय पर कृषक वैज्ञानिक चौपाल में सार्थक व्याख्यान हुए। इसमें जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रो.पी.के. मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में जिस तरह आत्मनिर्भर भारत की बात हो रही है तो यहां यह बहुत आवश्यक है कि कृषि और उससे जुड़े हुए क्षेत्रों में भी उद्यम की संभावनाओं को पहचाना जाए और उद्यमिता विकास पर महत्व दिया जाए। डॉ. अजय सिंह राजपूत, निदेशक जैविक खेती क्षेत्रीय केन्द्र जबलपुर ने बताया कि कृषि में जैव उर्वरक की भूमिका विशेष महत्व देती है, विशेष रूप से रासायनिक उर्वरक की बढ़ती लागत और मिट्टी के स्वास्थ्य पर उनके खतरनाक प्रभावों के वर्तमान संदर्भ में जैविक खेती समय की आवश्यकता है।

पुरस्कार पाकर खिले विजेताओं के चेहरे–

साप्ताहित 'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते' कार्यक्रम समापन कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह सहित मंचासीन अतिथियों की मौजूदगी में सप्तदिवसीय विविध विज्ञान स्पर्धाओं के विजेता छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार पाकर विजेता विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। इस मौके पर म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के डॉ. एन.के. शिवहरे ने विज्ञान के महत्व और विज्ञान के प्रति जागरूकता व आयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। प्रो.सुनीता शर्मा ने 'विज्ञान सर्वत्र पूज्यते' कार्यक्रम का सात दिनों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन समिति समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह एवं पुरस्कारों की घोषणा डॉ. मुक्ता भटेले ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. निपुण सिलावट ने किया। इस अवसर पर म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के डॉ. एस.एन. रजक, प्रो. एसएस संधू, श्री प्रभात दुबे, डॉ. अजय मिश्रा, डॉ, मीनल दुबे, इंजी. महावीर त्रिपाठी, डॉ. दीपेन्द्र सिंह, डॉ. एस.पी. त्रिपाठी, सम्राट बोस, सुनील चौधरी, डॉ. प्रकाश मिश्रा, अमरकांत चौधरी सहित अन्य मौजूद रहे।